Name: Jigyansha Rout
Class: VIII
Section: 'C'
School No.: 4849

Date ______
Page ______

1.(क) क्षमता से अधिक चींटी ढोती है।

(ख) मछली दिनभर दौड़ लगाती रहती है।

(ग) हमें अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए 'हम कर सकते, हम कर सकते' कहना चाहिए।

(घ) कार्य में असफल होने पर गिरकर उठना चाहिए और उठकर बैठना चाहिए।

2.(क) ताई से मनोहर क्यों नफ़रत करता था?

Sol: ताई से मनोहर नफ़रत करता था क्योंकि बच्चे प्यार के भुखे होते हैं और ताई मनोहर को प्यार नहीं करती थी।

(ख) रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था। उनके दो संतान थे। एक पुत्र - मनोहर और एक कन्या - चुन्नी

(ग) जब मनोहर ने ताई को एक पतंग ला देने के लिए कहा तब उसने वह बात बड़े भोलेपन और करुणा के साथ कही, तब, ताई का कलेजा पसीज गया।

3. मुँह ताकना - हमें किसी पर मुँह ताकना नहीं चाहिए।

गिरगिट की तरह रंग बदलना - रामेश्वरी रामजीदास के आने पर गिरगिट की तरह रंग बदलने लगी।

4. (क) विधानवाचक वाक्य
   (ख) विधानवाचक वाक्य
   (ग) आज्ञावाचक वाक्य

5. (क) जीवन में खेलों का महत्त्व

जीवन में खेल बहुत महत्वपूण है। आजकल हम बाहर नहीं जा पा रहे हैं तो हमें घर में खेलना चाहिए। न खेलने से हमें आलस लगेगा और ऐसा होने नहीं देना चाहिए। हमें घर में चलना चाहिए और खेल-कुद करना

चाहिए। ऐसा करने से हमें तंदरुस्त
और अच्छा लचीला। खेल-कद
विद्यालय में भी कराए जाते हैं परंतु
आज-कल वे सब बंद होने के कारण
थोड़ा सा भी खेल-कूद नहीं हो रहा
है। हमें यह समझना चाहिए और
सुस्थ रखने के लिए खेलना और कदना
चाहिए। बाल्यकाल में हम अधिक
होते हैं।